आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–19 फरवरी 2026 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस–एआई के लोकतंत्रीकरण पर जोर देत कहले हवें कि एके खास तौर से ग्लोबल साउथ बदे समावेसन आ ससक्तिकरण क साधन बने के चाही। आजु नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट दुइ हजार छब्बीस क उद्घाटन करत श्री मोदी ई बाति कहलें।

एआई के लिए इंसान सिर्फ डाटा पॉइंट न बन जाए, इंसान सिर्फ रॉ मटीरियल तक सीमित न रह जाए, इसलिए एआई को डेमोक्रेटाइज करना होगा। इसे इंक्लूजन और एम्पावरमेंट का माध्यम बनाना होगा और विशेष रूप से ग्लोबल साउथ में।

प्रधानमंत्री मोदी कहलें कि भारत न त खाली नया तकनीक क विकास कइ रहल बा बलुक उन्हें तेजी से अपना भी रहल हौ। श्री मोदी कहलें कि भारत दुनिया क सबसे बड़हन तकनीकी केन्द्र हौ। उहां के कहलीं कि ई भारत आ ग्लोबल साउथ बदे गर्व क बिसय हौ कि नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट क आयोजन कइल जा रहल बा।

इस समिट का भारत में होना, भारत के साथ ही पूरे ग्लोबल साउथ के लिए गर्व का विषय है। दुनिया के कोनेदृकोने से यहां आए महानुभाव, इसकी सफलता को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। इसमें यंग जनरेशन की जो उपस्थिति हमने देखी है, वो एक नया विश्वास पैदा करती है।

प्रधानमंत्री कहलें कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से मानव इतिहास में क्रांतिकारी अध्याय जुड़ि रहल हौ। श्री मोदी एआई बदे मानव विजन क रूपरेखा प्रस्तुत कइलें।

मैं, मानव विजन प्रस्तुत करता हूँ। एम– मॉरल सिस्टम, एआई एथिकल गाइलाइन्स, पर आधारित हो। ए– अकान्टेबल गवर्नेन्स, टीदृ ट्रांसपेरेंट रूल्स, ए– नेशनल सॉवरेनिटी, जिसका डेटा, उसका अधिकार, ए– एक्सेसिबल एंड इनक्लूसिव, एआई– मोनोपॉली नहीं, मल्टीप्लायर बने। वी– वैलिड, एआई लॉफुल हो।

****

सर्वोच्च न्यायालय कहले हवे कि मुफ्त योजनन के संस्कृति से देस के आर्थिक विकास में बाधा आ रहल हौ। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत आ न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची अउर न्यायमूर्ति विपुल एम पंचौली क पीठि कहलस कि देस क जियादेतर राज्य राजस्व घाटा में हवें, फिर भी विकास क अनदेखी करत ऊ येह तरह क ब्यौहार कइ रहल हवें। न्यायालय एगो याचिका पर सुनवाई करत ई बाति कइलस। याचिका में उपभोक्ता लोगिन के आर्थिक स्थिति पर धियान दिहले बिना सबके मुफ्त बिजुली दिहले क प्रस्ताव कइल गइल रहल। पीठि कहलस कि राज्यन के मुफ्त भोजन, साइकिलि आ बिजुली दिहले के बजाय रोजिगार सृजन पर काम करे के चाही।

****

प्रदेस क पिछड़ा वर्ग कल्याण आ दिव्यांग ससक्तिकरण राज्य मंत्री नरेन्द्र कश्यप कहलें कि सरकार पिछड़ा वर्ग कल्याण से जुड़ल योजनन कै परभावी क्रियान्वयन बदे प्रतिबद्ध बा। येह समय क सरकार पिछड़ा वर्ग के हितन के सर्वोच्च प्राथमिकता देत वित्तीय अनुसासन आ पारदर्सिता के साथे योजनन के फेर से जीवित कइले क काम कइ रहलि हौ। श्री कश्यप विधानसभा में सवाल क जबाब देत ई बाति कहलें। उहां के कहलीं कि सरकार रेकॉर्ड स्तर पर करीब अड़तालीस लाख विद्यार्थियन के छात्रावृत्ति दे के उन्हें सिक्षा से जोड़ले क कार कइले हौ। उहां के कहलीं कि सरकार सिक्षा, रोजिगार आ आर्थिक उन्नयन क नया मौका दे रहलि हौ।

****

देस के कई इलाकन में काल्हि संझा चांद देखाई दिहले के सथहीं आजु से रमजान क पवित्तर महिन्ना सुरू हो गइल बा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी येह मौका पर लोगिन के सुभकामना दिहलें। सोसल मीडिया पर एगो पोस्ट में श्री मोदी आसा जतवलें कि ई महिन्ना समाज में एकता के भावना के अउरियो मजबूत करी। तिउहार के देखत प्रदेस भर में पुरहर तइयारी कइल गइल बा। एगो रिपोर्ट–

इस्लाम धर्म के पवित्र माह रमजान का आज पहला दिन है। कल शाम को चंद्र दर्शन होने के बाद ही लोगों ने एक दूसरे को रमजान की बधाइयां देनी शुरू कर दी। तरावीह की विशेष नमाज भी कल रात से ही शुरू हो गई जो कि पूरे महीने जारी रहेगी। मस्जिदों में रोजा अफ्तार के विशेष प्रबंध किए गए हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेशवासियों को रमजान माह की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही सभी जनपद के अधिकारियों को रमजान से संबंधित दिशा निर्देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दे चुके हैं।

संवेदनशील स्थानों पर पुलिस को तैनात किया गया है। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने जनता से आपसी भाईचारे और एकता के साथ रमजान मनाने की अपील की है। मुमताज अली आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

मौसम विभाग प्रदेस के अधिकतम तापमान में अचक्के तीनि से छौ डिगिरी सेल्सियस के बढ़ोत्तरी क सम्भावना जतवले हौ।

****